भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1323
30/07/2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारतीय मानसून पर अल नीनो का प्रभाव

1323. श्री आर. गिरिराजन:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत में वर्ष 2026-2027 के दौरान एक प्रबल "सुपर अल नीनो" की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना है, जिसके कारण मानसूनी वर्षा की न्यूनता, तापमान में असामान्य वृद्धि, मध्य भारत में सूखा तथा चेन्नई सहित तटीय तमिलनाडु में अत्यधिक बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) अल नीनो के प्रभावों से लोगों की सुरक्षित रखने हेतु सरकार द्वारा की गई निवारक कार्रवाइयों और उपयुक्त उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) फसल उपज, खाद्य कीमतों, ऊर्जा मांग और आर्थिक हानियों पर अल नीनो के प्रभावों को कम करने हेतु सरकार की पूर्व तैयारी और अनुकूलन उपायों सहित इस संबंध में उठाए गए विभिन्न कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) मंत्रालय के अधीन भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) या विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने "सुपर अल नीनो" नाम की कोई आधिकारिक श्रेणी तय नहीं की है। असल में, अल नीनो की घटनाओं को आमतौर पर इक्वेटोरियल सेंट्रल पैसिफिक ओशन में समुद्र की सतह के तापमान में होने वाले बदलावों की तीव्रता के आधार पर कमज़ोर, मध्यम, मज़बूत या बहुत मज़बूत श्रेणी में बांटा जाता है। आईएमडी ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सीज़न के दौरान अल नीनो की स्थिति बनने का अनुमान लगाया है। जून 2026 में अल नीनो की स्थिति कमज़ोर थी और जुलाई 2026 में यह मध्यम स्तर तक बढ़ गई।

अक्टूबर-दिसंबर 2026 के दौरान अल नीनो के और मज़बूत होने और बहुत ज़्यादा मज़बूत श्रेणी तक पहुँचने की संभावना है। यद्यपि, भारतीय क्षेत्र पर इसकी सटीक तीव्रता और प्रभाव समुद्र और वायुमंडल की स्थितियों में होने वाले बदलावों पर निर्भर करता है, जिनमें से अल नीनो एक कारक है। आईएमडी लगातार समुद्र और वायुमंडल की स्थितियों में होने वाले बदलावों पर निगरानी बनाए रखता है और नियमित रूप से ऋतुनिष्ठ और मासिक पूर्वानुमान और परामर्शिकाएँ जारी करता है।

(ख)-(ग) मंत्रालय के अधीन भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) लगातार अल-नीनो और जलवायु को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों पर निगरानी बनाए रखता है। यह केंद्र और राज्य सरकारों तथा अन्य हितधारकों को नियमित रूप से ऋतुनिष्ठ /मासिक पूर्वानुमान, दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और मौसम संबंधी परामर्शिकाएँ जारी करता है। आईएमडी प्रतिदिन 'प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान' (IBFs) और जोखिम-आधारित चेतावनियाँ जारी करता है जो अगले 7 दिनों के लिए मान्य होती हैं। इन्हें कई संचार माध्यमों से आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, राज्य सरकारों, ज़िला प्रशासन और अन्य हितधारकों तक पहुँचाया जाता है, ताकि वे आपदा से निपटने की तैयारी और बचाव के उपाय कर सकें।

*****